

अनुक्रमः

प्रथमखण्डः स्तुतिकुसुममाला

1. श्रीगणेशाष्टकम्	3
2. प्रणमामि वाणीम्	5
3. सरस्वतीवन्दनम्	8
4. दिवाकराष्टकम्	9
5. प्रणमामि केशरिनन्दनम्	11
6. श्रीहनुमत्स्तोत्रम्	12
7. सहस्रशो (रामाष्टकम् नमोऽस्तु ते)	14
8. शिवाष्टकम्	16
9. दुर्गाष्टकम्	18
10. रामाष्टकम्	20
11. कृष्णाष्टकम्	22
12. त्वं करुणासिन्धुः प्रथितः	24
13. कृष्णं वन्दे	25
14. यदि वाञ्छसि जन्म निजं सफलम्	27
15. प्रणमाम्यहं यदुनन्दनम्	28
16. नाथ पाहि त्वमेव	30
17. भगवत्प्रार्थना	31
18. नौमि गोपीतनूजम्	37
19. नहि धाव हरे नहि धाव हरे	39
20. अनन्तं शरणं प्रपद्ये	40
21. कुटीषु गत्वा पश्यतु विवृतद्वारासु शुद्धासु	42
22. यशोहानिर्मातर्न हि मम भवत्यास्तु भविता	43

23. कृष्णच्छविः	44
24. छविः कृष्णस्येयं वितरति मुदं कामपि पराम्	45
25. अहो प्रत्यक्षं मे प्रकटय निजं रूपमतुलम्	46
26. ध्रुवमपयशसो वा भाजनं सम्भवेस्त्वम्	48
27. किं वा लिखेयम्	49
28. कुत्राऽवकाशो मम	49

द्वितीयखण्डः स्फुटकाव्यानि

1. पुनर्नमामि भारतम्	53
2. स्वतन्त्रतादिवसः	55
3. युद्धं ततः प्रवृत्तम्	57
4. विरमत रे	59
5. द्वाभ्यां निमिषाभ्याम्	70
6. भारतसंस्कृतिर्विजयते	72
7. मातृगृहम्	76
8. चैत्रिणः श्रमिकाः	79
9. होलिका	81
10. ऋतुगीतम्	83
11. प्रावृट्कालः	84
12. शरत्सौन्दर्यम्	89
13. शिशिरर्तुः प्रक्रमते	92
14. वसन्तसुषमा	94
15. शरत्सुषमा	96
16. ग्रीष्मः	98
17. परीक्षा	101
18. निर्वाचनम्	103

19. जनः प्रमाद्यति	107
20. नवोदितप्रतिभासमागमः	108
21. आचार्यो बच्चूलालः	112
22. महात्मा गान्धी	114
23. जयतु जयतु गौरः	118
24. इन्दिराभिनन्दनम्	120
25. श्रीमल्लालबहादुरस्तु मतिमानासीन्महापुरुषः	123
26. सेवाव्रतं गृह्यताम्	126
27. श्रीराष्ट्रपतये पत्रम्	128
28. कुत्र स्थितस्त्वमसि कृष्ण नु सङ्कटेऽस्मिन्	131
29. कश्चिद् बालः	133
30. हेमन्तः	135
31. मधु वर्षति मधुमासः	137
32. केचित् प्रश्नाः	140
33. केचिद् बालाः	142
34. नग्नो युवा भीतिकरोऽद्य भूतले	144
35. लङ्केश्वरस्वर्णपुरीव सैषा	145
36. पाटलपुष्पम्	147
37. स्थलकमलविकासो वीक्षितः कण्टकेषु	148
38. सर्वं जगत् सुखमयं सहायकं च	149
39. धर्मः	150
40. इयं धर्मशाला	153
41. प्रकृतिसौन्दर्यम्	154
42. मातुर्हि चित्ते सततं स बालः	156
43. किं वा दयिता किं वा विपदा	158
44. सुखमिव किञ्चिन्न ज्ञातम्	161
45. जयति जयति नः संस्कृतिभारतस्य	164
46. गतानुगतिका अधुना लोकाः	167

47. इति मोक्षो ज्ञानीनः	166
48. धानुष्यं च धिगीदृशम्	171
49. कालनाथो घहेणः	172
50. संस्कृतभाषा रघुनीया	173
51. पठ संस्कृतम्	175
52. ज्ञातं तवान्तःकरणं दृषददृढम्	177
53. पं. श्रीगोविन्दप्रसादसिलाकारीसंस्मरणम्	178
54. श्रीमन्तो राधेलालशास्त्रिणः	179
55. साधवः	183
56. कामक्रोधौ	183
57. पतङ्गः	183
58. स्तुतिः	184
59. उदयति सूर्यः	184
60. भ्रमति गतिमन्तं च मनुते	185
61. महादेवः कालः	185
62. स मानवः किम्	185
63. प्रकृतिसौन्दर्यम्	186
64. नौका	186
65. श्रद्धासरित् "गङ्गा"	186
66. समुद्रः	187
67. कुटुम्बी	187
68. मैवं हि गर्वं कुरु तुच्छतैषा	187
69. अभिनन्दनम्	188
70. प्रणवाभिनन्दनम्	189
71. बार्द्धक्यम्	192
72. तस्मादिहैक्यं खलु भारतेऽस्मिन्	193
73. योग्ये पदे पुष्टिदः	195
74. वितर वितर तोयम्	196
75. कुरुत जनसेवां सुखमयीम्	197

76. श्रीव्याकरणाचार्यस्य पञ्चविंशपुण्यस्मृतौ	198
77. नूनं हितं परहिते भविता नराणाम्	201
78. द्वादश मासाः	203
79. अधुना भारतवर्षेऽध्ययनं जातं कठिनतमम्	205
80. जीवानां त्वं विलक्षणोऽसि	207
81. अवर्णनीयः किल संसारः	210
82. निर्धना अतिनिर्धनाः	215
83. मनो निकाममधीरम्	219
84. मेघैः सन्देशः	220

तृतीयखण्डः अनूदितलघुकाव्यम्

1. मातृमूर्तिः	223
2. चिरिण्टी	225
3. युद्धम्	226
4. नीतिवल्लरी	228
5. गङ्गास्तुतिः	230
6. अनेके समागमाः	240
क. काष्ठकारः	240
ख. रजकी	240
ग. शल्यचिकित्सकः	241
घ. भविष्यवक्ता	241
ङ. सूपकारः	242
च. गृहकक्षः	242
छ. बर्बरप्रकृतिः	244
ज. वामनः	244
7. कुब्जा	246

8. प्रावृषि रुचिरः पर्वतदेशः	254
9. कंसः	256
10. वीरखनिः	259
11. वसन्तः	261
12. शरद्	262
13. भिक्षुकः	263
14. देवि किं तुभ्यं यच्छानि	264
15. द्वारं नाथाऽभय वरद हे ऽनावृतं देहि शीघ्रम्	265
16. कीदृशा वासरास्ते	266
17. मेघानां कृते	267
18. उन्मूलिता वृक्षाः	268
19. पश्य प्रावृट् पुनरायाता	269
20. एकाकिनीं	271
21. करोति धाष्टर्यं तव बालकोऽयम्	272
22. अन्धकारः	273
23. उभौ जीवतो मिलितौ	275
24. निरन्तरं पश्य रे	276

चतुर्थखण्डः
वैदिकसूक्तसौरभम्

1. पुरुषसूक्तम्	279
2. नारायणसूक्तम्	282
3. भद्रसूक्तम्	284
4. उषसूक्तम्	287
5. विष्णुसूक्तम्	290
6. पृथिवीसूक्तम्	292